The Research Dialogue
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com

माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं को कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन

डा० मोहम्मद जाहिद
सहायक आचार्य
बी.एड.विभाग
शिब्ली नेशनल पी जी कालेज आजमगढ (उ० प्र०)

रवीन्द्र नाथ यादव
शोध छात्र
शिक्षा संकाय
शिब्ली नेशनल पी. जी.कालेज आजमगढ (उ० प्र०)

सारांश:

प्रस्तुत अध्ययन माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि सिटी का तुलनात्मक अध्ययन शीर्षक के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन किया है। शिक्षक की कार्य संतुष्टि शिक्षण व्यवस्था के साथ-साथ संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था समाज एवं मानवता को प्रभावित करती है। कार्य संतुष्टि विभिन्न संबंधित मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों को किसी ना किसी रूप में प्रभावित करती है जिसका प्रभाव ना केवल शिक्षण कार्य पर पड़ता है अपितु शिक्षक की कार्यशैली से विद्यालय संगठन की प्रभावित होता है शिक्षा अपने व्यापक अर्थ में सतत चलने वाली प्रक्रिया है। शिक्षक किसी राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है शिक्षक केवल ज्ञान का संचार ही नहीं करता अपितु अपने अनुभव से ज्ञान का संयोजन वसंत भी करता है। एक शिक्षक कक्षा में पढ़ने के बाद सदैव संतुष्ट रहता है क्योंकि वह जानता है कि वह अपने शिक्षण द्वारा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहा है। अतः वर्तमान अध्ययन में शोधकर्ताओं ने माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि को लक्ष्य बनाया है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श आकार 400 है जिसके अंतर्गत 200 शिक्षकों तथा 200 शिक्षिकाओं का स्तरीय कृत न्यादर्श विधि द्वारा चयन किया गया है निष्कर्ष में पाया माध्यमिक स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्यसूची एक दूसरे से सार्थक रूप से भिन्न नहीं है।

मुख्य बिंदु:- माध्यमिक विद्यालय माध्यमिक शिक्षक तथा शिक्षिका कार्य संतुष्टि

प्रस्तावना

किसी भी राष्ट्र के विकास को गति प्रदान करने में शिक्षा एक सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करता है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत शिक्षक रूपी मानवीय संसाधन का कार्य संतुष्ट होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षकों की कार्य संतुष्टि शिक्षण कार्य को ही नहीं अपितु समाज एवं संपूर्ण मानवता को प्रभावित करती है कार्य संतुष्टि एक मनोवैज्ञानिक प्रवृत्ति है जो अन्य मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों को किसी ना किसी रूप में प्रभावित करती है इसलिए कार्य संतुष्टि का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण विषय है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कार संतुष्टि एक सबसे बड़ी चुनौती के रूप में उभर कर सामने आती है। निजीकरण के दौर में जहां शिक्षा में तकनीकी का प्रयोग बढ़ता जा रहा है वहीं शिक्षकों में असुरक्षा की भावना भी तेजी से बढ़ रही है शिक्षा प्रक्रिया में शिक्षण के दौरान शिक्षकों में तनाव व संतुष्टि सतत चलने वाली मनोसामाजिक दशाएं हैं जिससे कोई भी शिक्षक अछूत। नहीं रहता शिक्षक की कार्य संतुष्टि शिक्षक को आनंद की अनुभूति देता है। जिससे कार्य का स्तर ही नहीं बढ़ता अपितु शिक्षक में विभिन्न तनाव से युक्त कर सभी प्रकार की परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने का मनोबल भी प्रदान करता है।

स्मिथ (1969) के अनुसार "कार्य संतुष्टि एक प्रभावी चरण है जो एक तरफ कार्यकर्ता की वर्तमान व्यवसाय का कार्य है। तथा दूसरी और उसके अनुकूलतम स्तर का ढांचा है कार्य संतुष्टि का अर्थ कार्य के साथ अपना समायोजन है।

शिलयर के अनुसार "कार्य संतुष्टि या असंतुष्टि विविध अभिबृतियो के परिणाम स्वरुप है जिसमें व्यक्ति संबंधित कार्य को और जीवन में सामान्यता अपने कार्य में रहता है।

हाटक (1990) ने अपने शोध के आधार पर व्यवसाय में कार्य संतुष्टि के लिए 6 घटक को बताया है-

- व्यक्ति की अप्रिय स्थितियों में प्रक्रिया
- संसाधनों के साथ खुद को समायोजित करने में
- सामाजिक एवं आर्थिक समूह की पहचान करने में
- कार्यकुशलता
- हितों और कार्यक्रमों की तैयारी
- कार्य की प्रवृत्ति सुरक्षा एवं निष्ठा

व्यक्ति स्वभाव में निहित संदेश मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं यदि मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं और व्यक्ति कार्य में तनाव लेता है तो इससे व्यक्ति की कार्य संतुष्टि विपरीत रूप से प्रभावित होगी जिससे व्यक्ति स्वयं को अपने कार्य में असंतुष्ट ही अनुभव करेगा।

परिचालन परिभाषाएं-

माध्यमिक विद्यालय :-

माध्यमिक विद्यालयों के अंतर्गत सभी ग्रामीण व शहरी कक्षा 6 से कक्षा 12 तक चलने वाले विद्यालयों समिष्टि (Population) में शामिल है।

माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाएं :-

माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापन करने वाले **T.G.T** स्तर के शिक्षक व शिक्षिकाएं समिष्टि (Population) में शामिल है।

कार्य संतुष्टि

कार्य संतुष्टि एक मनोवैज्ञानिक पहलू है सामान्य अर्थों में कोई व्यक्ति अपने कार्य से जितना आनंदित रहता है। वहीं उसकी कार्य संतुष्टि को प्रदर्शित करता है कार्य संतुष्टि मुख्यतः दो प्रकार की होती है।

क)- आंतरिक

ख)- बाहय कार्य संतुष्टि

आन्तरिक कार्य संतुष्टि व्यक्तिगत होती है जो किए गए कार्य के प्रकृति से प्राप्त संतुष्टि है जबकि बाहय कार्य संतुष्टि वातावरण से प्राप्त संतुष्टि है।

शिक्षकों की कार्य संतुष्टि एक महत्वपूर्ण अवधारणा है क्योंकि शिक्षकों की कार्य संतुष्टि, कक्षा शिक्षण पर ही नहीं वरन संपूर्ण समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षकों की कार्य संतुष्टि शिक्षा व्यवस्था के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है कुमारी एम तथा चहल डी (2017) ने सुसानता राय चौधरी (2015) को उद्धत करते हुए कहा है कि शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का उनके शिक्षण प्रभावशीलता से सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। बुलक के अनुसार कार्य संतुष्टि एक अभिवृत्ति है जो बहुत सी चाही और अनचाही अनुभवों का परिणाम है जिसमें व्यक्ति के अपने कार्य के प्रति जुड़ाव परिलक्षित होता है।

अध्यापक की कार्य संतुष्टि विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है जिसमें व्यक्तिगत एवं बाय कारक शामिल है जो निम्न है।

व्यक्तिगत कारक

- आयु
- स्वास्थ्य
- आकांक्षाएं
- प्रेरणाए
- सामाजिक संबंध

बाहय कारक

- स्कूल प्रबंधन से संबंधित
- व्यवसाय व व्यक्तिगत उन्नति
- कक्षा कक्ष गतिविधियां
- पर्यवेक्षण

शोध का महत्व एवं उपयोगिता

डिजिटल युग में आज जहां शिक्षक अपने को बहुत असुरक्षित और तनावग्रस्त पाता है वही समाज में शिक्षकों के प्रति बहुत ही नकारात्मक दृष्टिकोण व्याप्त है कि शिक्षक अपने व्यवसाय में पूर्ण रूप से शामिल नहीं है अपने कर्तव्य के प्रति जिम्मेदारी नहीं लेते वैसे तो जो इस प्रकार के दृष्टिकोण व्यक्तिगत कारकों के परिणाम ही लगते हैं परंतु इस प्रकार के असंतोष के कारण के रूप में शिक्षक की कार्य संतुष्टि की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षकों की कार्य संतुष्टि बालक समाज व राष्ट्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है अतः कार संतुष्टि के अध्ययन को महत्वपूर्ण विषय मानते हुए शोधार्थी ने इसे अपने अध्ययन के विषय के रूप में चुना है क्योंकि अध्ययन और अध्यापन की एक महत्वपूर्ण अवस्था माध्यमिक स्तर है इसलिए शोधार्थी ने अपने शोध को माध्यमिक स्तर पर लक्षित किया है।

संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण

साक्षी सुधा वर्मा सोहित तथा शर्मा अनु (2023) ने शीर्षक चंडीगढ़ के शिक्षकों की सामान्य भलाई का उनकी नौकरी की संतुष्टि पर प्रभाव का अध्ययन किया कार्य संतुष्टि में अंतर का अध्ययन करने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिला और पुरुष हाई स्कूल शिक्षकों का

संरक्षण किया गया चंडीगढ़ के 200 विद्यालय शिक्षकों को नमूना बनाया और यह निष्कर्ष पाया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के पुरुष हाई स्कूल शिक्षकों की कार संतुष्टि एक दूसरे से भी नहीं थे जबकि ग्रामीण महिलाओं और उनके नगरीय समूह पक्षों जो शिक्षक हैं के बीच उल्लेखनीय अंतर है।

पांडा के भारत तथा मिश्र अनूप (2022) में प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत भौतिक उच्च शिक्षित शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन शीर्षक से अध्ययन किया।

उद्देश्य

1. माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का मापन करना।
2. शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के स्तर पर उनके लिंग शिक्षण अनुभव और शिक्षण के माध्यम के प्रभाव की जांच करना।

न्यादर्श - न्यादर्श में लखनऊ में कार्यरत 400 माध्यमिक स्तर के TGT स्तर के शिक्षक शिक्षिकाओं का चयन किया गया है ।

यह निष्कर्ष पाया कि -

1 - हिंदी माध्यम वाले विद्यालयों में शिक्षक अंग्रेजी माध्यम वाले विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना से अधिक संतुष्ट थे।

2 - अंग्रेजी माध्यम वाले प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक माध्यमिक शिक्षकों से अधिक संतुष्ट थे।

डॉ कावरे , सुदाय सुधीर तथा विशाल कविता (2018) ने " उच्चतर माध्यमिक स्तर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों के मध्य पक्षीय वातावरण से कार्य संतुष्टि का अध्ययन निष्कर्ष में यह पाया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों के मध्य कक्षीय वातावरण से कार्य संतुष्टि सार्थक अंतर था।

सिंह अपर्णा तथा गुप्ता शैलजा में प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बीटीसी एवं विशिष्ट बीटीसी प्रशिक्षित अध्यापकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन किया इसमें वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि को प्रयुक्त किया गया है। न्यादर्श हेतु झांसी मंडल के प्राथमिक विद्यालयों से 200 बीटीसी एवं 200 विशिष्ट बीटीसी प्रशिक्षित अध्यापकों को चयनित किया गया और निष्कर्ष में पाया कि

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बीटीसी एवं विशिष्ट बीटीसी प्रशिक्षित अध्यापक कार्य संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

कुमारी प्रियंका 2021 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की व्यवस्था एक संतुष्टि का अध्ययन शीर्षक से माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की कार्य संतुष्टि का अध्ययन किया अध्ययन के लिए न्यादर्श क्षेत्रवार लिया गया जिसमें भोखावरी, सीकर, चुरू, झुंझुनू जिलों के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक का चयन किया गया और यह पाया गया कि उपरोक्त तीनों जिलों में माध्यमिक विद्यालयों की महिला व पुरुष शिक्षकों के मध्य कार संतुष्टि में सार्थक अंतर है।

समस्या कथन

"माध्यमिक शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध के उद्देश्य-

- माध्यमिक स्तर के ग्रामीण विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं के कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के शहरी विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाए

- माध्यमिक स्तर के ग्रामीण विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- माध्यमिक स्तर के शहरी विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध का परिसीमन

समय एवं श्रम और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध की निम्नलिखित सीमाएं हैं-

- प्रस्तुत शोध लखनऊ जिले तक ही सीमित रखा गया है जिसमें जिले के लगभग 41 ग्रामीण व लगभग 27 शहरी क्षेत्र के विद्यालयों से 400 शिक्षको का चयन किया गया है।
- इस अध्ययन को केवल माध्यमिक स्तर के शिक्षको तक ही सीमित रखा गया है।

न्यादर्श

शोध में लखनऊ जिले के लगभग 68 माध्यमिक विद्यालयों के 400 शिक्षकों का चयन किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्त संकलन डॉ मीरा दीक्षित द्वारा संरचित (Job Satisfaction seal) (JSST-DM) प्रयोग किया गया है।

प्रयुक्त उपकरण में शिक्षक की कार्य संस्कृति को 8 विभागों पर मारपीट किया गया है जिसके अंतर्गत 52 आइटम है जो निम्नलिखित है

Sr No	कार्य संतुष्टि के कारक/Job Factore	Items
1	नौकरी के आंतरिक पहलू	7
2	वेतन पदोन्नति के अवसर और सेवा शर्तें	8
3	भौतिक सुविधाएं	9
4	संस्थागत योजनाएं और नीतियां	6
5	अधिकारियों से संतुष्टि	6
6	सामाजिक स्थिति एवं परिवार में संतुष्टि	5
7	छात्रों के साथ तालमेल	6
8	सहकर्मियों के साथ संबंध	5
	कुल	52

प्रयुक्त उपकरण की विश्वसनीयता Split Half Method से 92 तथा Test-Retest Method से 86 है।

उपकरण की स्कोरिंग 5 बिंदु वाले विकल्पों पर आधारित है अर्थात दृढ़ता पूर्वक सहमत,सहमत और अनिश्चित,असहमत और दृढ़ता पूर्वक असहमत। स्कूल की सीमा 52 से 260 है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

- मध्यमान

- प्रमाणिक विचलन / मानक विचलन
- टी-अनुपात

आंकड़ों का वर्गीकरण विश्लेषण एवं व्याख्या

माध्यमिक स्तर के ग्रामीण विद्यालयों के शिक्षक तथा सुविधाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 1.1: ग्रामीण विद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य अंतर

Sr No.	Gen	No	Mean	S.D	DF	Level	T Value	Table Value
1	Male	100	180.29	27.27	198	0.05	1.49	1.97
2	Female	100	169.64	23.69	198			

DF= 100+100-2 198 Value=13737

उपरोक्त तालिका 1.1 के अवलोकन से ज्ञात है कि माध्यमिक शिक्षकों के शिक्षिकाओं के ग्रामीण क्षेत्र में 200 के आंकड़े एकत्र 100 शिक्षक तथा 100 शिक्षिकाएं पर 100 ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के 100 शिक्षकों का मानदेय 180.29 एवं मानक विचलन 27.27 तथा शिक्षिकाओं का माध्य 169.64 एवं मानक विचलन 23.69 है। प्राप्त हुआ है।

उपर्युक्त आकड़ो की तुलना करने पर प्राप्त टी-मूल्य 1.49 है, जो 0.05 (95%) स्तर पर 198 स्वतंत्रता अंश से प्राप्त table value (तालिका मूल्य से कम है जो यह प्रदर्शित करता है कि शहरी क्षेत्रो के माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः शून्य परिकल्पना "माध्यमिक स्तर के ग्रामीण विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है। स्वीकृत की जाती है।

माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं को कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2.1 : माध्यमिक स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य अन्तर

S.No	Gen.	No.	Mean	S D	D F	Level	Value	Table Value
1	Male	100	176.18	29.00	198	0.05	1.43	1.97
2	Female	100	165.66	24.49	198	0.05	1.43	Not Significant

[DF = N1+N2-2 = 100 +100-2 =198] Value = 198

T.value – 152.8

उपरोक्त तालिका 2.1 के अवलोकन से ज्ञात है कि माध्यमिक स्तर के शहरी विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं के 200 के न्यादर्श से आँकड़े एकल करने पर शिक्षकों 100 का माध्य 165.66 एवम मानक विचलन 24.49 प्राप्त हुआ है आँकड़ों की ' तुलना करनें से ये मान 1. 43. प्राप्त है 0.05 (75%) स्तर पर 198 स्वतंत्रता अर्श से प्राप्त table Value तालिका मूल्य से कम है जो यह प्रदर्शित करता है कि शहरी क्षेत्रों के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक अनार नहीं है

अतः शून्य परिकल्पना " माध्यमिक स्तर के शहरी विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक है। अन्तर नहीं है । स्वीकृत की जाती है

तालिका 3.1 : माध्यमिक स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य अन्तर

S.No	Gen.	No.	mean	S D	D F	Level	T.Value	Table value
1	male	100	180.29	27.27	198	0.05	1.49	1.97
2	female	100	169.64	23.69	198	0.05	1.49	Not significant

तालिका 3-1 से स्पष्ट है कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों (200) के आकड़ा विशलेषण से मध्य 192.10 एवं मानक विचलन 42.982 तथा शिक्षिकाओं के आकड़ा विशलेषण से मध्य 188-34 एवं मानक विचलन AA.656 प्राप्त है जिससे 398 स्वतंत्रता अंश पर प्राप्त .860 टी मान , 0.05 स्तर पर पर प्राप्त मान से कम है। जो यह दर्शाता है कि माध्यमिक स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः Ho3 " माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि मध्य सार्थक अन्तर नहीं है " स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम से यह निष्कर्ष निकलता है कि ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की में कार्य संतुष्टि कोई भिन्नता नहीं हैं, दूसरी तरफ अध्ययन से यह भी प्रदर्शित होता है कि शहरी क्षेत्रों मे भी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य संतुष्टि मध्य कोई भिन्नता नहीं पाई गई अध्ययन की तीसरी परिकल्पना की स्वीकृति भी समग्र रूप से स्पष्ट करती है कि माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक तथा शिक्षिकाओ के कार्य संतुष्टि के मध्य कोई सार्थक भिन्नता नहीं है।

माध्यमिक शिक्षकों की कार्य संतुष्टि को विभिन्न विमाओ पर अवलोकन करने पर यह प्राप्य है कि शिक्षक तथा शिक्षिकाएं दोनों ही संस्थागत योजनाओं और नीतियों से असनुष्ट पाए गए तथा कार्य संतुष्टि मे वेतनं, पदोन्नति के अवसर और सेवा शर्तें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है

शोध का प्राच्य यह इशारा करता है कि शिक्षकों की कार्य संतुष्टि को ध्यान मे रखकर ही उनकी कार्य की स्थितियों सुधार करना चाहिए जिससे उनकी सन्तुष्टी से सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था लाभान्वित हो सकें। आधुनिक समाज की प्रयोजनवादी व्यवस्था में शिक्षकों से की गई आदर्शवादी आपेक्षाएँ भी उनकी कार्य संतुष्टि को प्रभावित करती है, अतः आधुनिक व्यवस्था के आलोक में ही, शिक्षको के लिए कार्य शर्ते एवं उनके लिए आपेक्षित कार्य दर्शन निर्धारित किए जाएं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- पाण्डा , के. भारत (3 मार्च 2022), "प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अतिउच्च शिक्षित शिक्षकों की कार्य संतुष्टी का अध्ययन", आई० जे० सी०आर०टी पेज संख्या 844 - 849 ISSN : 2320-2882
- मधुबाला, (7 जुलाई 2022), शिक्षको का अपने कार्य (व्यवसाय) के प्रति सन्तुष्टि का अध्ययन" इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, संस्करण 11.
- कुमार ललित तथा कुमार राज (10 जनवरी 2021), "उच्च कार्य संतुष्टि वाले माध्यमिक शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का विषय एवं शिक्षक के प्रकार के सम्बंध मे अध्ययन , बिहार समाज विज्ञान पत्रिका 15 पेज.
- विश्वकर्मा, जागृति तथा मौर्य कु० दिनेश (1 अगस्त 2021), "सरकारी तथा गैर-सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता तथा कार्य संतुष्टि पर लेख " Scholarly Research Journal for humanity Science @ English language , ISSN 2348-3083
- नयी शिक्षा नीति (2020), "शिक्षक", मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार , 157.
- राय , आर तथा हल्दर यू० के (2018) , " जाब सटिस्फैक्शन ऑफ सैकण्ड्री स्कूल टीचर्स" इन्टरनेशनल जनरल आफ इनोवेटिव रिसर्च एण्ड स्वीज , 08 (04)

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed /Refereed National Research Journal

ISSN: 2583-438X

Volume-2, Issue-2, July-2023

www.theresearchdialogue.com

Certificate Number July-2023/35

Impact Factor (IIJIF-1.561)

https://doi-ds.org/doilink/01.2023-11922556

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डा० मोहम्मद जाहिद एवं रवीन्द्र नाथ यादव

for publication of research paper title

माध्यमिक स्तर के शिक्षक तथा शिक्षिकाओं को कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-02, Month July, Year-2023.

Dr. Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com

INDEXED BY